फलीदार फसल की गुणवत्ता और पैदावार को बढ़ाने में जिंक की भूमिका

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

फ्राँस और डेनमार्क के शोधकर्त्ताओं ने फलीदार फसलों में जिंक की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में एक अध्ययन किया है।**अध्ययन से पता चलता है कि जिंक फलीदार फसलों में नाइट्रोजन फिक्सेशन को आसान बनाता है, जो अमोनिया उत्पादन और पौधों के पोषण के लिये आवश्यक है।**

- यह सूक्ष्मपोषक एक द्वितीयक संकेत के रूप में भी कार्य करता है, जिसे **ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर फिक्सेशन अंडर नाइट्रेट (transcription factor Fixation Under Nitrate- FUN)** द्वारा प्रबंधित किया जाता है, जो विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में नाइट्रोजन फिक्सेशन दक्षता को नियंत्रित करता है।
- निष्कर्ष मिट्टी में नाइट्रोजन की उपलब्धता को अनुकूलित करने, **संभावित रूप से फसल की पैदावार को बढ़ाने और सिंथेटिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करने की जिंक की क्षमता पर प्रकाश** डालते हैं।
- यह अंतर्दृष्टि जलवायु चुनौतियों के बीच कृषि स्थिरता को बढ़ाने के लिये रास्ते खोलती है।

और पढ़ें: [भारतीय कृषि में प्रौद्योगिकी]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/zinc-s-role-in-enhancing-legume-crop-health-and-yield